

Participants : Chatterjee Shri Somnath, Jha Shri Raghunath, Yadav Shri Devendra Prasad, Yadav Shri Giridhari, Yadav Shri Ram Kripal, Mehta Shri Alok Kumar, Vijay Krishna Shri, Rana Shri Rabindra, Singh Shri Ganesh Prasad, Patil Shri Shivraj V.

an>

Title : Regarding alleged threat to the life of Dr. Mohd. Shahabuddin, MP lodged in Siwan Jail, Bihar and need for proper medical care to the member.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : महोदय, मैं आपका तथा केन्द्र सरकार का ध्यान एक तात्कालिक तथा अत्यंत महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ। न्यायालय के आदेश से माननीय सांसद सदस्य मोहम्मद शहाबुद्दीन को 9 मई, 2006 को बिहार में भागलपुर जेल से सिवान जेल में स्थानान्तरित किया गया। 10 मई, 2006 की मध्यरात्रि में लगभग 12.30 बजे स्थानीय डीएसपी ने एक दर्जन भर सशस्त्र बल को साथ लेकर, जेल को खुलवाकर मोहम्मद शहाबुद्दीन के साथ दुर्व्यवहार किया, धमकियां दीं तथा अपमानित किया। यह घटना बहुत ही शर्मनाक है। माननीय सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन को जेल में किसी ाडयंत्र के तहत जान से मारने की साजिश चल रही है। उधर उनके परिवार की सुरक्षा का भी खैतरा बना हुआ है। माननीय सांसद मोहम्मद शहाबुद्दीन की स्पाइनल कॉर्ड में बहुत दर्द है। उनके स्वास्थ्य की नाजुक स्थिति बन गयी है और जेल में जिस डाक्टर को उन्हें दिखाया गया और पटना में जिन स्वास्थ्य विशेषज्ञों को दिखाया गया है, उनका विचार है कि अगर समय से इलाज नहीं हुआ तो माननीय सांसद लकवाग्रस्त हो सकते हैं। यह बहुत ही दर्दनाक स्थिति है। मामला अपने स्थान पर है, लेकिन क्या किसी माननीय सांसद को समय पर समुचित इलाज नहीं होना चाहिए जिसके कारण उसके लकवाग्रस्त होने की संभावना बन गयी हो? इसलिए मेरा आपसे अनुरोध है कि केन्द्र सरकार अपने स्तर से उसकी रिपोर्ट मंगवा ले, उनकी जान की सुरक्षा की व्यवस्था की जाए और उनको तुरन्त जेल से निकालकर उनका समुचित इलाज, देश के जिस किसी भी हास्पिटल में हो सके, कराने की व्यवस्था की जाए। ... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: All these mini meetings will not be permitted inside the House.

... (Interruptions)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, आप हम सभी सदस्यों के कस्टोडियन हैं। इसलिए हम आपका भी ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहते हैं कि यदि इस विषय पर एक नियमन आना चाहिए ताकि माननीय सांसद की जान की रक्षा हो सके। यदि दो-तीन दिनों में उनका समुचित इलाज नहीं हुआ तो आगे काम्प्लीकेशनस बढ़ सकती हैं, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की होगी। उनको राज्य सरकार के पदाधिकारी, एक डीएसपी द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। वह डीएसपी जो बिहार राज्य सरकार का पदाधिकारी है, इस तरह का दुस्साहस कर रहा है। इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि इस विषय पर आपका एक नियमन आना चाहिए। इससे एक बहुत ही संवेदनशील परिस्थिति पैदा हुई है। जो मामले चल रहे हैं, उनके विषय में मैंने कुछ नहीं बोला है क्योंकि वह सब-ज्युडिश है। ... (व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा (बेतिया): अध्यक्ष महोदय, डाक्टर ने लिखा है, आप इस रिपोर्ट को देख लीजिए।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप ठूंपया बैठ जाइए। Hon. Member, you are not helping your colleague. I have already issued instructions.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: As I said in the morning, I have already issued instructions. I have called for a detailed report, and I am also requesting the hon. Home Minister to see that immediately the report is given and necessary intervention is made.

I am saying that in the House itself; and certainly I have already issued instructions that all possible care should be taken of his health. Therefore, this is utmost I can do and I am doing it. But you felt that it had to be mentioned, and you have mentioned it.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): We will get the information and we will issue the instructions also.

MR. SPEAKER: Thank you very much.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : सर, मेरा नाम भी इससे संबद्ध किया जाए।

MR SPEAKER: The names of Shri Ram Kripal Yadav, Shri Alok Kumar Mehta, who had already given notices will be associated.

श्री विजय कृण (बाढ़) : हमारा नाम भी एड करा दिया जाए।

अध्यक्ष महोदय : आप स्लिप भेज दीजिए।

Also the names of Shri Raghunath Jha, Shri R.K. Rana, Shri Ganesh Prasad Singh, Shri Vijoy Krishnan and Shri Giridhari Yadav are associated on this issue.
